Otto Böhtlingk & Rudolph Roth: Sanskrit-Wörterbuch, Part 3, Petersburg 1861

2, 14, 1. — 2) *bestimmen zu, machen zu; schaffen, verschaffen:* रयिं नु यं जजनुः रोदसीमे RV. 7,90,3. मनुष्वत्त्रिन्द्रं जजनुर्व राजसे 8,86,10. रुचे जनन्त सूर्यम् 9,23,2. VS. 19,94. यस्मा उ देवः सविता जजान 10,41,4. तस्मा अरं गमाम वो यस्य क्षयाय जिन्वथ । आपो जनयथा च नः 9,3. देवमादेवं जनत प्रचेतसम् 4,1,1. 2,13,5. तं वाजनन्त मातरः कविं देवासो अङ्गिरः । हव्यवाहममर्त्यम् 8,91,17. 3,49,1. राजानमिर्वं जनाय जनयथ 5,58,4. त्रिताय गा अजनयन्नहेरधि 10,48,2. (दात्रम्) तेनेदृसी जनयत जरित्रे 1,185,3.

II. intrans. 1) Präsensformen: *a)* जनिषे, जनिष, जनिषे, जनिष्म् P. 7,2,78. जनमान RV. 8,88,3. अजनत 4,5,5. अजत in den Brâhmaṇa, nach P. 2,4,80 aor. — *b)* जायते Dhâtup. 26,40. P. 7,3,79. Vop. 11,6. 8,70. 128. जायमान; ep. auch जायति. — *c)* जन्यते P. 6,4,43. Nicht zu belegen. — 2) allgemeine Formen: अजनि (जनि, जानि RV. 8,7,36) und अजनिष्ट P. 3,1,61. 7,3,35. Vop. 11,7. जनिष्ठाम्; जज्ञे, जज्ञिषे, जज्ञिरे P. 6,4,98. जज्ञुस् (MBh. 3,14387), जज्ञाने, जज्ञिवंस्; जनिष्यते, °ति (ep.); जनिता; (आ, उद्) जनिषीष्ट; जात. 1) *gezeugt —, geboren werden; hervorgebracht werden, entstehen:* पुत्रः RV. 1,31,11. 5,6. Ait. Br. 7,14. त्रिर्ह वै पुरुषो जायते Çat. Br. 11,2,1,1. आ मातरा झ्वानो यतो जज्ञिषे सुशेवः RV. 7,7,3. आदस्मादन्यो अजनिष्ट तव्यान् 5,32,3. इरा विश्वस्मै भुवनाय जायते 5,83,4. 1,141,1. चित्रः प्रकेतो अजनिष्ट विभ्वा 113,1. अग्निः Ait. Br. 1,16. Kâtj. Çr. 25,4,2. होताजनिष्ट चेतनः RV. 2,5,1. जातम् 1,105,15. जज्ञानः *neugeboren* 7,98,3. जज्ञानस्य ब्राह्मस्य साम Bez. eines Sâman Ind. St. 3,216. जायस्व प्रियस्व Khând. Up. 5,10,8. सा मातुरुदरस्था तु बहुवर्षगणान्किल । निवसन्ती न वै जज्ञे Hariv. 1913. जायस्व शीघ्रम् 1914. ब्राह्मादिषु विवाहेषु — ब्रह्मवर्चस्विनः पुत्रा जायन्ते M. 3,39. अपि नः स कुले जायात् 274. तस्मिन् (अण्डे) जज्ञे स्वयं ब्रह्मा 1,9. वज्रप्रहारात्स्कन्दस्य जज्ञुस्तत्र कुमारकाः । — कन्याश्च जज्ञिरे ऽस्य MBh. 3,14387. fg. पुत्रो जनिष्यते चात्र युष्मत्स्वसुः Kathâs. 6,18. Pañkat. 252,19. तस्य कन्या — जज्ञे Pañkat. 259,24. सवर्णेभ्यः सवर्णासु जायन्ते सजातयः (पुत्राः) Jâgn. 1,90. यदर्यमिव जज्ञिवान् Bhâg. P. 4,23,2. जनिता विष्णुयशसो नाम्ना कल्किः 1,3,25. दास्यामहं जज्ञे 7,15,73. MBh. 1,4051. R. 3,20,29. M. 3,174. ब्राह्मणाद्वैश्यकन्यायामम्बष्ठो नाम जायते 10,8. MBh. 1,2081. कथं तत्रेषु जायथाः । अस्यां हि योनौ जायन्ते प्रायशः क्रूरबुद्धयः 3,1395. आहिण्डिको निषादेन वैदेह्यामेव जायते M. 10,37. चण्डालेन — पुक्कस्यां जायते 38. मम वक्त्रादजायत R. 1,16,7. गोमयाद्वृश्चिको जायते P. 1,4,30, Sch. वीजाज्जायन्ते व्रतवः MBh. 12, 7751. 13,3151. आदित्याज्जायते वृष्टिर्वृष्टेरन्नं ततः प्रजाः M. 3,76. 1,75. 76. तस्यां विसृज्यमानायां सप्त स्रोतांसि जज्ञिरे R. 1,44,14. उत्सः, ह्रदः AV. 6,106,1. व्यवहारेण मित्राणि जायन्ते रिपवस्तथा Hit. I,65. अनिष्टादिष्टलाभे ऽपि न गतिर्जायते शुभा 5. किं तेन जातैर्न न जायते Pañkat. I, 327. तस्य जज्ञे विनिश्चयः R. 2,65,15. व्यायामेन च तेनास्य जज्ञे शिरसि वेदना MBh. 3,16748. अराजके जनपदे दोषा जायन्ति वै सदा 1,1713. जन् इत्यस्य स्थाने जायमानो ऽण् P. 1,1,51, Sch. अचिन्तितो वधो ऽज्ञानां मीनानामिव जायते *zu Theil werden* Pañkat. II,3. *wachsen*, von Pflanzen AV. 5,17,16. 4,1. 4,19,4. Kâtj. Çr. 22,3,2. जायेरन्नुक्षाखाः प्ररोहेयुः पलाशानि Çat. Br. 14,9,2,15. M. 9,38. Varâh. Bṛh. S. 54,8.20. अजत वा अस्य दन्ताः Ait. Br. 7,15. जायते स्वयमेव oder जायते — P. 6,1,195, Sch. — 2) *wiedergeboren werden:* एकविंशतिमाजातीः पापयोनिषु जायते M. 4,166. तिर्यग्योनौ च जायते 4,200. पतिर्भार्यां संप्रविश्य गर्भो भूत्वेह जायते । जायायास्तद्धि जायात्वं यदस्यां जायते पुनः ॥ 9,8. 11,24. जायते हेमकर्तृषु 12,61.

MBh. 3,530. परिवर्तिनि संसारे मृतः को वा न जायते Hit. Pr. 13. तस्माद्वम् — ब्रह्मयोनौ जनिष्यसि MBh. 1,2425. 3950. ततः प्रेतः परिक्लिष्टः पश्चाज्जायति ब्राह्मणः 13,5451; vgl. पुनः पुनर्जायति 14,884. — 3) *werden, sein:* अत्रा नेमिः परिभूरजायथाः RV. 1,141,9. दिवा न नक्तं पलितो युवाजनि 144,4. यदेदस्तम्भीत्प्रथयन्नमूं दिवमादिदजनिष्ट पार्थिवः Vâlakh. 3,8. RV. 3,59,4. 5,33,5. 35,3. त्वं वृषा जनानां मंहिष्ठ इन्द्र जज्ञिषे 8,15,10. घोरः सन्क्रत्वा जनिष्ठा अषाळ्हः 7,28,2. प्रपथे पथामजनिष्ट पूषा प्रपथे दिवः 10,17,6. यत्सह सर्वाभिर्मिमीते संश्लिष्टा अङ्गुलयो जायेरन्नेकपेक्योत्सर्गं मिमीते तस्माद्विभिन्ना जायन्ते TS. 6,1,9,5. AV. 12,4,14. कामतो (एनः कृता) व्यवहार्यस्तु वचनादिह जायते Jâgn. 3,226. तत्रोष्य रजनीः पञ्च पूतात्मा जायते नरः MBh. 3,4083. क्षुधार्ता जज्ञिरे जनाः 1,6625. M. 1,99. Nalod. 1,42. मोघा हि नाम जायेत महत्सुप्रकृतिः कुतः Vid. 58. ह्रस्वो वर्णो जायते यत्र षष्ठः Çrut. 19.25. रक्तनेत्रो ऽजनि तपात् Bhaṭṭ. 6,32. न तस्य वेदाध्ययने तथा बुद्धिरजायत । यथास्य बुद्धिरभवद्धनुर्वेदे MBh. 1,5073. — 4) *Statt finden:* जायन्ते निविडाश्लेषाः समीभूतशरीरयोः Vet. 11,5. प्राणं कस्य जायते 32,20. — 5) *möglich —, zulässig sein:* यत्र बन्धो न जायते *wo das Unterbinden sich nicht anwenden lässt* Suçr. 2,269,19. — 6) = जन् mit अभि *für Etwas geboren werden, für Etwas von der Geburt an bestimmt sein:* पापासः सन्तो अनृता असत्या इदं पदमजनता गभीरम् RV. 4,5,5. तं तं लोकं जायते तांश्च कामान् Muṇḍ. Up. 3,1,10. Çaṁk. hat जयते (von जि), welches er durch प्राप्नोति erklärt. — जात s. bes.

— desid. जिजनिषति P. 6,4,42, Sch. — intens. जञ्जन्यते und जाजायते P. 6,4,43. Vop. 20,8. जञ्जनम् und जाजातम्, जञ्जनति und जञ्जति 17.

— व्यति, °जाजध्म्, °जज्ञिध्वे, °जज्ञिषे, °जज्ञिष Kâç. zu P. 7,2,77.78. Vop. 23,55.

— अधि. In zahlreichen Stellen der älteren Sprache erscheint जन् mit अधि verbunden in der Bed. *geboren werden von* (abl.), *entstehen aus*, aber wie die betonten Texte zeigen, ist die praep. nicht unmittelbar zum Verbum zu ziehen. Ausser den u. अधि 2,c,δ angeführten Beispielen vgl. noch: तस्माद्यत्र क्व च शोचति स्वेदते वा पुरुषस्तेजस एव तदध्यापो जायन्ते Khând. Up. 6,2,3.4. अङ्गादङ्गात्संभवसि हृदयादधि (v. l. अभि) जायसे MBh. 1,3050. Mit vorang. loc. *geboren werden, zur Welt kommen auf:* ब्राह्मणो जायमानो हि पृथिव्यामधि जायते (*wird, ist*) । ईश्वरः सर्वभूतानाम् M. 1,99. Ein Beispiel mit vorangeh. acc. findet man unter अधि 2,a,α. Entschieden zum Verbum gehört अधि an der folg. Stelle: (तेन) अधिजज्ञे — आत्मजमूर्तिरात्मा *wurde erzeugt* Ragh. 18,23. — Vgl. u. प्र und अधिज fg.

— अनु 1) *später —, hinterher geboren werden, — zur Welt kommen, — entstehen; nach Jmd* (acc.) *geboren werden:* पुत्रिकायां कृतायां तु यदि पुत्रो ऽनुजायते M. 9,131. एकवर्षान्तरास्त्वेते द्रौपदेयाः — अन्वजायन्त *stets um ein Jahr später als der Vorhergehende* MBh. 1,8046. एष साक्षाद्धरेरंशो जातः — इयं च तत्परा हि श्रीरनुजज्ञे Bhâg. P. 4,15,6. अत्र वा जायमानस्य यच्छीलमनुजायते MBh. 3,321. पुमांसं पुत्रं जनय तं पुमाननु जायताम् AV. 3,23,3. अदितेः 2,13,5. तदाशा अन्वजायन्त RV. 10,72,3.5. अनुजातो माणवको माणविकाम् अनुजाता (pass.) माणविका माणवकेन । अनुजातं (impers.) माणवकेन P. 3,4,72, Sch. Vop. 26,129. — 2) *Jmd* (acc.) *ähnlich geboren werden:* असौ कुमारस्तमतो ऽनुजातस्त्रिविष्टपस्येव पतिं जयन्तः Ragh. 6,78. — को ऽन्वेनं जनयेत्पुनः Bṛh. Âr. Up. 3,9,28 gehört

Institute of Indology & Tamil Studies, Cologne University, Germany 9.2.2007